CBSE Class 09 - Hindi B

आदर्श प्रश्न पत्र - 07 (2020-21)

Maximum Marks: 80

Time Allowed: 3 hours

General Instructions:

- इस प्रश्नपत्र में चार खंड हैं।
- सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।

खंड - क (अपठित गद्यांश)

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

   वह ईंट धन्य है जो कट-छँटकर कंगूरे पर चढ़ती है और हमारा ध्यान अपनी ओर खींचती है। इसके साथ-साथ वह ईंट भी धन्य है जो जमीन के सात हाथ नीचे जाकर नव में गढ़ गई और इमारत की पहली ईंट बनी। उसी ईंट पर इमारत की मजबूती टिकी रहती है। उस ईंट के हिल जाने से कंगूरा नीचे आ गिरेगा अर्थात् नींव की ईंट अधिक महत्त्वपूर्ण है। उस ईंट ने स्वयं को इसलिये नींव में नीचे डाल दिया ताकि इमारत सौ हाथ ऊपर जा सके, उस ईंट ने अंधे कुएँ में जाना इसलिए स्वीकार किया ताकि ऊपर के लोगों को साफ हवा मिलती रहे, सुनहरी रोशनी मिलती रहे। कुछ स्वतंत्रता सेनानियों ने इसलिए अपना बलिदान दे दिया ताकि आने वाली आजादी का सुख दूसरे लोग भोग सकें। सुन्दर निर्माण के लिए हमेशा बलिदान की आवश्यकता होती है। यह बलिदान चाहे ईंट का हो अथवा व्यक्ति का। सुंदर इमारत बनाने के लिए पक्की-लाल ईंटों को नींव में जाना ही पड़ता है। उसी प्रकार समाज को सुंदर बनाने के लिए कुछ तपे-तपाए लोगों को चुपचाप बलिदान देना ही पड़ता है।

   i. कंगूरे की ईंट को लेखक ने क्यों धन्य माना? (2)
   ii. नींव की ईंट को क्यों धन्य माना गया? (2)
   iii. कंगूरे की ईंट और नींव की ईंट में कौन अधिक महत्त्वपूर्ण है? और क्यों? (2)
   iv. 'पक्की-पक्की लाल ईंट' कह कर लेखक किन्हें उत्साहित कर रहा है? (2)
   v. निम्नलिखित में किस शब्द में 'निर्' उपसर्ग नहीं है- (क) निर्माण, (ख) नीरव। (1)
   vi. रोशनी का हिंदी पर्याय बताइए। (1)

खंड - ख (व्याकरण)

2. जब कोई शब्द पद का रूप लेता है तो ________।

a. शब्द पद नहीं बन सकता है।

b. उन पर व्याकरण नियमों का कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

c. स्वतंत्र रहने के कारण उस पर व्याकरण के नियम लागू होते हैं।

d. शब्दों की स्वतंत्रता समाप्त हो जाती है और वह व्याकरण के नियमों में बंध जाता है।

3. रेखांकित शब्द की पहचान कीजिए - रम्या, <u>प्रिया</u> और सोहम खेल रहे हैं।

a. शब्द

b. किसी का नाम मात्र

c. कोई निरर्थक इकाई

d. पद

4. निम्नलिखित में से कौन-सा नियम अनुस्वार प्रयोग के संदर्भ में गलत है?

a. शिरोरेखा के ऊपर मात्रा ना होने पर अनुस्वार का प्रयोग होता है।

b. य,र,ल,व (अंतस्थ व्यंजनों) से पूर्व यदि पंचमाक्षर आए तो अनुस्वार का प्रयोग होता है।

c. जब किसी वर्ण से पहले अपनी ही वर्ग का पांचवा अक्षर आए तो उसके स्थान पर अनुस्वार का प्रयोग होता है।

d. श,ष,स,ह (ऊष्म व्यंजन) से पूर्व यदि पंचमाक्षर आए तो अनुस्वार का प्रयोग होता है।

5. यदि अनुस्वार के पश्चात कोई पंचमाक्षर (ड,ण,न,म) आता है तो अनुस्वार का प्रयोग किस रूप में होता है?

a. मूल रूप

b. सम्

c. बिंदु

d. चंद्रबिंदु

6. निम्नलिखित में से किस शब्द में उपसर्ग प्रयोग किया गया है ?

a. चिंतन

b. अतिरिक्त

c. प्यास

d. भारतीयता

7. 'निर्जन' शब्द में कौन-सा उपसर्ग प्रयोग किया गया है?

a. जन

b. नि:

c. नि

d. निर्

8. निम्नलिखित में से किस शब्द में प्रत्यय प्रयोग किया गया है ?

a. निडर

b. आजन्म

c. बचपन

d. भरपेट

9. 'महत्व' शब्द में कौन-सा प्रत्यय प्रयोग किया गया है?

a. हत्व

b. त्व

c. वह

d. व

10. रिक्त स्थानों में उचित श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द -युग्म का प्रयोग करें -

अपने देश के सम्मान की _____बचाये रखने के लिए मुझे _____भी स्वीकार्य है।

a. शान,युद्ध

b. गरिमा, बेइज़्ज़ती

c. कांति, क्रांति

d. नाक, लड़ाई

11. वह _______तो था ही, खाना भी न मिलने से उसका शरीर भी हड्डियों का________ मात्र ही लगता है।

a. बेरोज़गार-ढांचा

b. कंगाल-कंकाल

c. गरीब,ढांचा

d. गरीब-कंकाल

12. 'तलवार' शब्द का पर्यायवाची बताइए।

a. रंक

b. चीर

c. नग

d. कृपाण

13. 'आदर' शब्द का पर्यायवाची बताइए।

a. विटप

b. सुरेश

c. सम्मान

d. नग

14. 'कनिष्ठ' शब्द का विलोम बताइए।

a. प्रतिकूल

b. क्रूर

c. वरिष्ठ

d. मान

15. 'अभिमान' शब्द का विलोम बताइए।

a. विकार

b. निरभिमान

c. विरभिमान

d. मान

16. **मैं तुम्हें नहीं जानता हूँ।** किस वाक्य का उदाहरण है।

a. विधिवाचक वाक्य

b. निषेधवाचक वाक्य

c. सरल वाक्य

d. संकेतवाचक वाक्य

17. विधिवाचक वाक्य किसे कहते हैं?

a. नकारात्मकता के बोध को

b. इच्छा का बोध कराने वाले को

c. साधारण वाक्य को

d. किसी बात के होने का बोध कराने वाले को

खंड - ग (पाठ्य पुस्तक)

18. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: (6 अंक)

a. बाज़ार में खड़े लोगों के मन में वृद्धा के प्रति घृणा पर अपनी प्रतिक्रिया प्रकट कीजिए। दुःख का अधिकार पाठ के आधार पर।

b. अतिथि के दूसरे दिन भी ठहर जाने के उपरान्त लेखक ने किस आशा के साथ अतिथि का सत्कार किया? और, किस

रूप में?

c. चालाक लोग साधारण आदमी की किस अवस्था का लाभ उठाते हैं? धर्म की आड़ पाठ के आधार पर बताइए।

19. इस पाठ का शीर्षक दुःख का अधिकार कहाँ तक सार्थक है? स्पष्ट कीजिए।

OR

सम्मिलित अभियान में सहयोग एवं सहायता की भावना का परिचय बचेंद्री के किस कार्य से मिलता है?

20. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: (6 अंक)

a. अनेक साधु-सन्तों के नाम लेकर कवि क्या स्पष्ट करना चाहते हैं? रैदास के पद के आधार पर लिखिए।

b. मोती, मानुष, चून के सन्दर्भ में पानी के महत्व को रहीम के दोहे के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

c. अपनी बच्ची की बीमारी के कारण सुखिया के पिता की क्या दशा हुई? एक फूल की चाह कविता के आधार पर लिखिए।

21. रहीम के दोहे के सन्दर्भ में पानी के तीन अर्थ स्पष्ट करते हुए तीनों के अलग-अलग प्रयोगों पर प्रकाश डालिए।

OR

एक फूल की चाह कविता में निहित सामाजिक समस्या को स्पष्ट करते हुए बताइए कि आज की परिस्थितियों में इस समस्या के समाधान के लिए क्या संशोधन किये गये हैं?

22. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (6 अंक)

a. गिल्लू की किन चेष्टाओं से आभास मिलने लगा कि अब उसका समय समीप है?

b. साम्प्रदायिक दंगों का प्रभाव समाज के किस वर्ग को सबसे अधिक प्रभावित करता हैं? यह भी स्पष्ट कीजिए कि इस प्रकार के दंगों को रोकने के लिए आप क्या उपाय करेंगे?

c. 'दिए जल उठे' पाठ के शीर्षक की सार्थकता सिद्ध कीजिए।

खंड - घ (लेखन)

23. **दूरदर्शन** विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।

OR

नर हो, न निराश करो मन को विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।

24. अस्पताल में दाखिल हुए अपने किसी दुर्घटनाग्रस्त मित्र को सांत्वना देते हुए पत्र लिखिए।

OR

नवीं कक्षा में हिन्दी विषय के चयन के कारणों तथा आज के युग में हिन्दी की उपयोगिता बताते हुए विदेश में रहने वाले मित्र को पत्र लिखिए।

25. अपने छोटे भाई को जन्मदिवस की शुभकामना देते हुए 30-40 शब्दों में संदेश लिखिए।

OR

शतरंज में स्वर्ण पदक जीतने पर मित्र को शुभकामना संदेश लिखिए।

26. भारत में बढ़ते भ्रष्टाचार पर दो मित्रों में संवाद को 50 शब्दों में लिखिए।

OR

पृथ्वी सारे संसार का भार सहती है और आकाश जीवन देता है। दोनों में श्रेष्ठता निर्धारित करने के लिए विज्ञान के दो विद्यार्थियों की चर्चा परस्पर को 50 शब्दों में लिखिए।

27. पर्यावरण संरक्षण के विषय पर 20-30 से शब्दों में एक नारा लिखिए।

OR

कोरोना के दौरान सामाजिक दूरी विषय पर 20-30 से शब्दों में एक नारा लिखिए।

9 Hindi B SP-07

Class 09 - Hindi B

Solution

खंड - क (अपठित गद्यांश)

1. i. ईंट कट-छँटकर जब कंगूरे पर चढ़ती है तो सबका ध्यान अपनी ओर खींचती है। इसलिए लेखक ने उसे धन्य माना।
   ii. इमारत को स्थायित्व देने के कारण नींव की ईंट को धन्य माना गया।
   iii. नींव की ईंट अधिक महत्वपूर्ण होती है। क्योंकि इमारत की मज़बूती उसी नींव की ईंट पर टिकी रहती है।
   iv. पक्की-पक्की लाल ईंट कहकर लेखक युवाओं को उत्साहित कर रहा है। वह उन्हें तपे-तपाये लोग भी कहता है।
   v. (ख) नीरव
   vi. प्रकाश

खंड - ख (व्याकरण)

2. (d) शब्दों की स्वतंत्रता समाप्त हो जाती है और वह व्याकरण के नियमों में बंध जाता है।

   Explanation: शब्दों की स्वतंत्रता समाप्त हो जाती है और वह व्याकरण के नियमों में बंध जाता है। जैसे- तुलसीदास, रामचरितमानस अलग-अलग पद है किन्तु व्याकरण के नियमानुसार वाक्य बन जाने पर इनकी स्वतन्त्रता समाप्त हो जाएगी।
3. (d) पद

   Explanation: पद - संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन
4. (a) शिरोरेखा के ऊपर मात्रा ना होने पर अनुस्वार का प्रयोग होता है।

   Explanation: शिरोरेखा के ऊपर मात्रा ना होने पर अनुस्वार का प्रयोग होता है। यहां अनुनासिक का प्रयोग किया जाता है। जैसे-हैं=है+एं
5. (a) मूल रूप

   Explanation: मूल रूप। जैसे- अन्न,अम्मा
6. (b) अतिरिक्त

   Explanation: अतिरिक्त (अति+रिक्त= अधिक)
7. (d) निर्

   Explanation: निर् (निर्+जन)
8. (c) बचपन

   Explanation: बचपन (बच्चा+पन)
9. (b) त्व

   Explanation: त्व (महत+ त्व)
10. (c) कांति, क्रांति

Explanation: यही एक श्रुतिसमभिन्नार्थक शब्द -युग्म है।

11. (b) कंगाल-कंकाल

    Explanation: सुनने व उच्चारण में एक से हैं परंतु अर्थ में दोनों शब्द अलग हैं।

12. (d) कृपाण

    Explanation: तलवार- कृपाण

13. (c) सम्मान

    Explanation: आदर- सम्मान

14. (c) वरिष्ठ

    Explanation: कनिष्ठ - वरिष्ठ

15. (b) निरभिमान

    Explanation: अभिमान - निरभिमान

16. (b) निषेधवाचक वाक्य

    Explanation: उपरोक्त वाक्य में नकारात्मकता का बोध हो रहा है, अतः ये निषेधवाचक वाक्य का उदाहरण है।

17. (d) किसी बात के होने का बोध कराने वाले को

    Explanation: किसी बात के होने का बोध कराने वाले को विधिवाचक वाक्य कहते हैं। उदाहरण:- जब राजा नगर में आए, तब आनंद मनाया गया।

खंड - ग (पाठ्य पुस्तक)

18. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: (6 अंक)

    a. बाज़ार में खड़े लोगों का वृद्धा के प्रति घृणा का भाव रखना अनुचित था। यह उनकी असंवेदनशीलता का प्रमाण था। एक गरीब माँ के बेटे की मृत्यु के दूसरे दिन ही बाजार में आकर खरबूजे बेचना उसकी विवशता का सूचक है परन्तु धनी-मानी लोगों द्वारा उस पर कटाक्ष करना वास्तव में उनकी हृदयहीनता का परिचायक है।

    b. अतिथि के दूसरे दिन भी ठहर जाने के उपरान्त लेखक ने दोपहर के भोजन को लंच की गरिमा प्रदान की और रात्रि में सिनेमा दिखाया। लेखक ने सोचा कि इसके बाद तुरंत भावभीनी विदाई होगी। वह अतिथि को विदा करने स्टेशन तक जाएँगे। इसी आशा के साथ लेखक ने दूसरे दिन भी अतिथि का सत्कार किया।

    c. चालाक लोग साधारण आदमी की धर्म के प्रति निष्ठा और अज्ञानता का लाभ उठाते हैं। साधारण आदमी उनके बहकावे में आ जाते हैं। चालाक आदमी अपना काम निकाल लेता है। साथ ही उस पर अपना प्रभुत्व भी जमा लेता है। वे लोग उनकी अज्ञानता का लाभ उठाकर उसकी शक्तियों और उत्साहों का शोषण करते हैं। वे अपने स्वार्थों की पूर्ति के लिए ऐसे आस्थावान धार्मिक लोगों को मरने-मारने के लिए छोड़ देते हैं।

19. इस पाठ का शीर्षक दुःख का अधिकार सटीक एवं सार्थक है। लेखक यह कहना चाहता है कि यद्यपि दुःख प्रकट करना हर व्यक्ति का अधिकार है। परन्तु हर कोई ऐसा कर नहीं सकता। एक ओर सम्पन्न महिला है और उस पर कोई जिम्मेदारी नहीं

है। उसके पास पुत्र-शोक मनाने के लिए डॉक्टर हैं, सेवा-कर्मी हैं, साधन हैं, धन है, समय है। परन्तु गरीब लोग अभागे हैं, वे चाहे तो भी शोक प्रकट करने के लिए आराम से दो आँसू नहीं बहा सकते। उनके सामने खड़ी भूख, गरीबी और बीमारी नंगा नाच करने लगती है। अतः दुःख प्रकट करने का अधिकार गरीबों को नहीं है।

OR

बचेंद्री के व्यवहार से सहयोग और सहायता का परिचय उस समय मिलता है जब एवरेस्ट पर विजय पाने के दौरान उसने अपने दल के दूसरे सदस्यों की मदद करने का निर्णय लिया। लेखिका ने एक थरमस में जूस और दूसरे में चाय भरी और बर्फीली हवा चलने के बावजूद वह तंबू से बाहर निकलीं और नीचे उतरने लगीं।
दोपहर के समय वह ये जूस और चाय लेकर अपने पर्वतारोही साथी जोकि पीछे छूट गया था को देने के लिए जा रही थीं। जय ने उनके इस प्रयास को खतरनाक बताया तो उसकी इस बात के जवाब में बचेंद्री ने कहा, 'मैं भी और की तरह पर्वतरोही हूँ, इसलिए इस दल में आई हूँ। शारीरिक रूप से ठीक हूँ। मैं अपने साथियों को मदद करने के लिए थोड़ा बहुत जोखिम उठा सकती हूँ, अगर उन्हें मेरी मदद की आवश्यकता है। यह वाकया उनकी सहयोगी प्रवृत्ति को दर्शाता है। इससे पता चलता है कि विकट परिस्थितियों में ही इंसान की असली पहचान होती है।

20. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: (6 अंक)

   a. कवि कबीर, नामदेव, त्रिलोचन, सधना, सैन जैसे गरीब व निम्न कोटि के व्यक्तियों को संत का सम्मान दिलाने के ईश्वरीय कृपा के गुण को बताकर प्रभु की महिमा का वर्णन करना चाहता है।

   b. 'मोती' के सन्दर्भ में पानी का अर्थ चमक है। इसी चमक से वह कीमती बनता है। 'मानुष' के सन्दर्भ में 'पानी' इज्जत, मान-सम्मान का प्रतीक बनकर आता है। इसी से मनुष्य का समाज में स्थान निश्चित होता है। 'चून' के सन्दर्भ में पानी ही उसे गूंदने के काम आता है और तभी इससे खाना पकना संभव होता है।

   c. अपनी बच्ची की बीमारी के कारण सुखिया के पिता को चारों ओर अन्धकार ही अन्धकार दिखाई देने लगा। अपनी पुत्री की अन्तिम इच्छा पूरी न कर पाने के कारण उसका मन घोर निराशा से भर जाता है। क्योंकि वह सामाजिक स्थितियों को जानता था।

21. रहिमन पानी राखिए, बिनुपानी सब सून।
पानी गए न ऊबरे, मोती मानुष चून।।
रहीम जी के अनुसार पानी के बिना सब सूना है। पानी के बिना मोती, मनुष्य तथा आटा किसी का भी महत्व नहीं रह जाता। मोती के संदर्भ में पानी का अर्थ है- चमक। मोती की चमक न रहने पर उसका कोई मूल्य नहीं होता। मनुष्य के संदर्भ में पानी का अर्थ है- उसका आत्मसम्मान। आत्मसम्मान के बिना मनुष्य महत्वहीन हो जाता है। एक बार यदि कोई मनुष्य आत्मसम्मान गवा देता है तो उसे पुनः प्राप्त करना सहज नहीं है। चून अर्थात् आटे के सन्दर्भ में पानी का महत्व सबसे अधिक है। बिना पानी के आटे से रोटी नहीं बनाई जा सकती है।

OR

इस कविता में कवि ने सामाजिक अन्याय का चित्रण किया है। अछूत कहे जाने वाले वर्ग के प्रति समस्या अत्यन्त असहिष्णु है। बालिका की प्रसाद का फूल पाने की इच्छा का यह परिणाम हुआ है कि उसका पिता सात दिन तक जेल में कैद रहा तथा अपमान और पीड़ा झेलने को विवश हुआ।
वर्तमान परिस्थितियों में भेदभाव करने वाले व्यक्तियों को कड़ा दण्ड दिये जाने का विधान है। तथाकथित अछूत वर्ग को सरकार और समाज की ओर से समस्त सुविधाएँ दी जा रही हैं। उन्हें नौकरियों एवं शिक्षण-संस्थाओं में आरक्षण दिया जा रहा है। उनकी आर्थिक और सामाजिक दशा को सुधारने के लिए बैंक सस्ती ब्याज दर पर उन्हें कर्ज दे रहे हैं।

22. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (6 अंक)

a. सामान्यतः गिलहरी का जीवनकाल दो वर्ष का माना जाता है। जब गिल्लू की जीवन यात्रा का अंत आया तो उसने दिनभर कुछ भी नहीं खाया और वह बाहर भी घूमने नहीं गया। वह अपने झूले से नीचे उतरा और लेखिका के बिस्तर पर आकर उसकी उँगली पकड़कर चिपक गया। इन सभी चेष्टाओं से लेखिका को लगा कि उसका (गिल्लू का) अंत समीप है और सुबह की पहली किरण के साथ ही वह हमेशा के लिए सो गया।

b. अशिक्षित और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की शिक्षा पर बल दिया जाए, अशिक्षित लोगों को भी लघु और कुटीर उद्योग धन्धों द्वारा रोजगार से जोड़ा जाए। अपने अधिकार और कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया जाए तथा दंगों में कर्फ्यू लगाने पर श्रमिक वर्ग रोटी-रौजी के लिए मजबूर हो जाता है। वह धन्धा नहीं कर पाता। दंगों को रोकने के लिए सभी को सहृदयता एवं एकता की भावना मन में लानी होगी। आपस में जाति-भेद, भाई-चारे की भावना, सहयोग व प्रेम की भावना के लिए उनको जागरूक किया जाए।

c. गाँधी जी देश सेवा को धार्मिक कार्य के समान महान मानते थे। जिस प्रकार यह विश्वास है कि तीर्थ यात्रा का सम्पूर्ण लाभ पैदल यात्रा द्वारा ही मिलता है, उसी प्रकार गाँधी जी ने दांडी कूच पैदल ही किया। इससे स्पष्ट होता है कि गाँधी जी कष्टों और विघ्नों से घबराते नहीं थे। कठिन-से-कठिन परिस्थिति में वे आत्मजयी बनकर औरों के लिए प्रेरणा के स्रोत बने। वे देश की आजादी के लिए लड़ी जा रही लड़ाई को धर्म मानते थे इसलिए उसे पवित्र भावना से पूरा करना चाहते थे।

खंड - घ (लेखन)

23. वर्तमान समय में दूरदर्शन की लोकप्रियता चरम सीमा पर है। अब तो इसकी घुसपैठ लगभग प्रत्येक परिवार में हो चुकी है। शहरों के साथ-साथ इसके कार्यक्रम गाँवों में भी अत्यंत रुचि के साथ देखे जाते हैं। इतने लोकप्रिय माध्यम का हमारे जीवन पर प्रभाव पड़ना अत्यंत स्वाभाविक ही है।
दूरदर्शन का प्रभाव निरंतर बढ़ता जा रहा है। इसने हमारे पारिवारिक जीवन पर अच्छे और बुरे दोनों प्रकार के प्रभाव डाले हैं। इससे हमारे मनोरंजन का पक्ष अत्यंत सुदृढ़ हुआ है। दूरदर्शन पर अनेक प्रकार के रोचक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जा रहे हैं। इनमें अपनी रुचि के कार्यक्रम चुनकर हम अपना मनोरंजन कर सकते हैं। फीचर फिल्मों के अतिरिक्त टेली फिल्में, धारावाहिक, चित्रहार, संगीत, नाटक, कवि सम्मेलन, खेल-जगत से हमारा पर्याप्त मनोरंजन होता है।
दूरदर्शन शिक्षा का भी सशक्त माध्यम बन गया है। इस पर औपचारिक और अनौपचारिक दोनों प्रकार की शिक्षा दी जा रही

है। इसके अतिरिक्त किसानों के लिए कृषि-दूरदर्शन, अनपढ़ों के लिए साक्षरता के कार्यक्रम, महिलाओं के लिए घरेलू उपयोगी कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं। इस प्रकार घर बैठे ही सभी को ज्ञानवर्धक कार्यक्रम देखने को मिल जाते हैं। दूरदर्शन की सामग्री अधिक ग्राह्य एवं स्पष्ट प्रभाव डालने वाली होती है। इसका प्रभाव अधिक व्यापक होता है। अतः इस बारे में अधिक सतर्क रहने की आवश्यकता है।

दूरदर्शन ने हमारे जीवन पर अनेक बुरे प्रभाव भी डाले हैं। दूरदर्शन ने हमारे अंदर अकर्मण्यता ला दी है। लोग सामाजिक जीवन से कटते चले जा रहे हैं। अनेक व्यसन भी दूरदर्शन की देन हैं।

आज दूरदर्शन मनोरंजन का पर्याय बन गया है। दूरदर्शन पर विविध प्रकार के मनोरंजक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जा रहे हैं। यह सभी आयु-वर्ग के व्यक्तियों के लिए उनकी रुचि के अनुसार होता है। दूरदर्शन पर खेलों का सीधा प्रसारण होता है, जिससे खेलों को लोकप्रिय बनाया जा सका है।

OR

'नर हो, न निराश करो मन को' पंक्ति मानव को यही प्रेरणा देती है कि तुम मनुष्य हो, केवल तुम ही कर्मशील, बुद्धिमान तथा चिन्तनशील प्राणी हो। यदि कभी परिस्थितियों ने तुम्हें अपना लक्ष्य प्राप्त करने में बाधा पहुँचाई तथा कठिनाइयों में तुम्हारा मार्ग अवरुद्ध कर दिया, तो इसमें निराशा की कौन-सी बात है? जीवन में सफलता-असफलता, हानि-लाभ, जय-पराजय, आशा-निराशा तो धूप-छाँव की तरह आती-जाती रहती हैं। यदि एक बार लक्ष्य-प्राप्ति में असमर्थ हो गए, तो इसमें थककर बैठने से काम थोड़े ही चलेगा। निराशा, मानव का गुण नहीं है। मानव का गुण है-उत्साह एवं आत्मविश्वास। अरे, तुम में भी परमात्मा का अंश है। अपने बुद्धि-बल के सहारे तुम क्या कुछ प्राप्त नहीं कर सकते। कालान्तर में भी प्राकृतिक प्रकोपों, महामारियों तथा विरोधी शक्तियों ने मानव-प्रगति का मार्ग अवरुद्ध करने का प्रयास किया है, तो क्या वह हार मानकर बैठा रहा? क्या उसने अपनी दृढ़ता और साहस का परिचय देकर सफलता प्राप्त नहीं की। मनुष्य का निराश या हताश होकर बैठ जाना उसकी क्षमताओं, योग्यताओं तथा आत्मविश्वास का अपमान है। अतः मानव को चाहिए कि निराशा और उदासी को अपने पास न भटकने दे और कर्मशील बनकर 'मानव' नाम को सार्थक बनाए। आज मानव जाति ने वैज्ञानिक क्षेत्र में आशातीत प्रगति की है किन्तु ये सफलताएँ अनायास नहीं मिल गईं। कई बार उसके रॉकेटसमुद्र में गिर गए तब उसने अपनी गलतियों से सबक लिया और अन्ततः सफलता अर्जित की। 'गिरते है शहसवार ही मैदाने जंग में।' 'उड़ान ताकत से नहीं हौसले से होती है' अतः व्यक्ति को कभी निराश नहीं होना चाहिए। कामायनी में कहा गया है-

पराजय का बढ़ता व्यापार
हँसाता रहे उसे सविलास।।

पराजय मिलने पर भी यदि हम हँस सकते हैं तो अन्ततः हमें सफलता अवश्य मिलेगी। हमें हर हाल में आशा बनाए रखनी चाहिए क्योंकि कहा गया है-**'मन के हारे हार है मन के जीते जीत'**।

24. 75/4 लवकुश नगर,
दिल्ली
दिनांक 05/03/2019

प्रिय मित्र मोहित,
मधुर स्मृति, मुझे कल ही सचिन के पत्र से ज्ञात हुआ कि तुम दुर्घटनाग्रस्त हो गए हो। यह जानकर मुझे अत्यंत दुःख हुआ क्योंकि पंद्रह दिन बाद तुम्हारी अर्द्ध वार्षिक परीक्षाएँ आरम्भ होने वाली हैं। ऐसे समय में तुम्हारी टखने की हड्डी टूटना निस्संदेह खेद का विषय है। मित्र जीवन में कष्ट तो आते ही रहते हैं इनसे घबराना नहीं चाहिए। ये तो वास्तव में तुम्हारे धैर्य की परीक्षा की घड़ी है। इस समय तुम अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अस्पताल में अधिक चिंता करना उचित नहीं है। घर आकर तुम परीक्षा की तैयारी करना। आशा है मेरी बातों पर तुम ध्यान दोगे। आंटी व अंकल को प्रणाम।
तुम्हारा अभिन्न मित्र,
रोहित

OR

75/5, लवकुश नगर,
जयपुर (राजस्थान)
दिनांक : 05 मार्च, 2019
प्रिय मित्र साहिल,
तुम्हें यह जानकर प्रसन्नता होगी कि मैंने नवीं कक्षा में हिन्दी विषय का चयन कर लिया है। आज के युग में हिन्दी की विशेष उपयोगिता है। हिन्दी हमारी राजभाषा है, सभी कार्यालयों तथा संस्थाओं में भी हिन्दी भाषा में कार्य होता है। हमारी राष्ट्रभाषा भी हिन्दी है और उसे ही लोगों ने विदेशी बना दिया है। हमें अपनी हिन्दी भाषा का सम्मान करना चाहिए, तुम विदेश में रहकर अपनी मातृभाषा हिन्दी मत भुला देना, मुझे तो अपनी हिन्दी भाषा व भारतीय संस्कृति पर गर्व है। अपने मम्मी व पापा को मेरा चरण स्पर्श कहिएगा।
तुम्हारा मित्र,
कैलाश

25.

संदेश

5 अप्रैल 2020
रात्रि 12:02 बजे
प्रिय भाई

तुम जियो हजारों साल
साल के दिन हो पचास हजार

जन्मदिवस की बहुत-बहुत शुभकामनाएँ। आशा है तुम दिन दुगुनी रात चौगुनी तरक्की करो। भगवान तुम्हारी आयु लंबी

करें। तुम्हारे सारे सपने पूरे हो।
गोविन्द

OR

संदेश

13 अक्तूबर, 20xx

प्रातः- 10.00 बजे

प्रिय गोविन्द

आज सुबह टेलीविजन में तुम्हें देखा। तुम्हारी उपलब्धी के विषय में पता चला। शतरंज में तुम्हें स्वर्ण पदक मिला और राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी के रूप में तुम्हारा चयन हो गया है। तुम्हारी मेहनत ने तुम्हें आज अत्यंत ऊँचा दर्जा दिलवाया है। आगे भविष्य में भी तुम इसीप्रकार तरक्की करते रहोगे। मेरी बहुत-बहुत शुभकामनाएँ और बधाई।

गिरीश कुमार

26. पवन - इतनी सुबह-सुबह कहाँ जाने की तैयारी है, मित्र?

विनोद - अरे भई! अपने क्षेत्र के विधायक के यहाँ जा रहा हूँ।

पवन - क्यों क्या हुआ, खैरियत तो है?

विनोद - क्या बताऊँ मित्र, पिछले एक हफ्ते से बिजली नहीं आ रही है, इसलिए उनके यहाँ जा रहा हूँ।

पवन - तो इसमें विधायक जी क्या करेंगे?

विनोद - मैं तो बिजली विभाग के चक्कर लगा लगाकर हार गया, अब विधायक जी से ही सिफारिश करवाऊँगा, तभी काम बनेगा।

पवन - क्या समय आ गया है बात-बात में सिफारिशें और रिश्वत के बिना काम ही नहीं चलता। मैंने भी अपना टेलीफोन इसी तरह ठीक करवाया है।

विनोद - ऊपर से नीचे तक सभी भ्रष्टाचार में लिप्त होंगे, तो आम गरीब जनता की कौन सुनेगा? जबकि प्रभावशाली लोगों के काम चुटकी बजाते ही हो जाते हैं।

पवन - सरकार भी तो कुछ सख्ती नहीं करती।

विनोद - सरकार भी किस-किस को पकड़ेगी, बड़े-बड़े अधिकारी भी तो भ्रष्ट हैं।

OR

पवन - मित्र अरविन्द! आज विज्ञान की कक्षा में अध्यापिका ने पृथ्वी और आकाश के विषय में कितनी अच्छी-अच्छी और रोचक जानकारियाँ दीं।

अरविन्द - सत्य कह रहो हो मित्र ! आज हमें पृथ्वी और आकाश के विषय में कई नए तथ्य ज्ञात हुए।

पवन - पृथ्वी कितनी श्रेष्ठ है, कितनी सहनशीलता है उसमें। सबका भार सहन करती है।

अरविन्द - और आकाश भी तो कितना श्रेष्ठ है। यह सभी को जीवन प्रदान करता है। यदि आकाश न हो तो पृथ्वी पर

जीवन संभव नहीं है।

पवन - यदि पृथ्वी हमारा भार न सहती तो क्या होता! हमारे खाने के लिए अन्न व रहने के लिए स्थान - सब पृथ्वी पर उपलब्ध हैं।

अरविन्द - मित्र पवन ! धरती और आकाश की श्रेष्ठता पर बहस करते हुए जमाने गुजर जाएँगे पर ये सिद्ध न हो सकेगा।

पवन - सही कहा मित्र ये दोनों ही अपनी-अपनी जगह श्रेष्ठ हैं।

27. आओ मिलकर पेड़ लगायें, प्रदूषण को दूर भगायें।
हरियाली हो चारों ओर, ऐसा जन अभियान चलायें।

OR

सामाजिक दूरी है ज़रूरी, सब इसको अपनायें।
अपना जीवन रखें सुरक्षित, सबको ये समझायें।